Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
न्याय-वैशेषिक - तृतीय

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. न्यायदर्शन के अनुसार आत्मनित्यत्ववाद को प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
2. इन्द्रियों के भौतिकत्व - अभौतिकत्व के सन्दर्भ में न्यायमत को प्रस्तुत करें।
3. प्रशस्तपादभाष्य के अनुसार कर्मपदार्थ का निरूपण करें।
4. वैशेषिकदर्शन में वर्णित गुणपरीक्षा प्रकरण में ख्यादि चार गुणों की प्रमाणपूर्वक परीक्षा करें।
5. न्यायदर्शन के अनुसार बुद्धि किस का धर्म है? सविस्तार वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. वैशेषिक दर्शन के अनुसार परिमाण के स्वरूप एवं प्रभेद का वर्णन करें।
7. महर्षि गौतम के अनुसार क्षणभङ्गवाद का निराकरण करें।
8. शरीरादि से व्यतिरिक्त आत्मा है, इस तथ्य को न्यायदर्शन के अनुसार सिद्ध करें।
9. वैशेषिक दर्शन के अनुसार संयोग एवं विभाग नामक गुण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
10. न्यायदर्शन के इन्द्रिय नानात्व प्रकरण पर प्रकाश डाले।
11. प्रशस्तपाद भाष्यानुसार धर्म एवं अधर्म प्रकरण का निरूपण करें।
12. "प्रेत्याहाराभ्यासकृतात् स्तन्माभिलाषात्" सूत्र की सप्रसङ्ग व्याख्या करें।

----------X----------